

IV. मौद्रिक दशाएं

सितंबर 2008 से रिजर्व बैंक के विस्तारकारी और चलनिधि बढ़ाने वाले उपायों ने प्रणाली में पर्याप्त चलनिधि को सुनिश्चित किया है, जो 2009-10 में अब तक एलएएफ के माध्यम से अधिशेष चलनिधि के व्यापक और निरंतर अवशोषण से स्पष्ट है। व्यापक मुद्रा वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) सुदृढ़ अर्थात् 20.0 प्रतिशत (3 जुलाई 2009 तक) पर बनी रही, जो घटक पक्ष में जमाओं में सुदृढ़ वृद्धि (21.0 प्रतिशत) और स्रोत पक्ष में सरकार के प्रति बैंकिंग प्रणाली के ऋणों में पर्याप्त वृद्धि से प्रेरित थी। सरकारी उधार कार्यक्रमों के बाजार अवशोषण को उच्च जमा वृद्धि की पृष्ठभूमि में निजी क्षेत्र की धीमी मांग ने सहूलियत प्रदान की। अक्टूबर 2008 से जमाओं की संरचना धीरे-धीरे मीयादी जमाओं के पक्ष में अंतरित हो रही है, ऐसा रिजर्व बैंक की कम उधार दरों के फलस्वरूप आंशिक रूप से जमा दरों संबंधी प्रत्याशाओं के प्रतिउत्तर में है। अक्टूबर 2008 से मई 2009 की अवधि में वाणिज्यिक क्षेत्र के प्रति वाणिज्यिक बैंकों के ऋणों में दिखी गिरावट में धीमा परिवर्तन शुरू हो गया है।

IV.1 मौद्रिक समुच्चयों में 2009-10 (3 जुलाई 2009 तक) में सुदृढ़ वृद्धि दिखने जारी रही, जो मुख्य रूप से सरकार के प्रति वाणिज्यिक बैंकों के ऋणों में व्यापक वृद्धि को दर्शाती है। फिर भी, खाद्येतर ऋण में वृद्धि एक बड़ी सीमा तक घटी और बैंकिंग प्रणाली के पास निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां भी कम हुईं। 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान व्यापक मुद्रा सुदृढ़ तथा वर्ष 2009-10 के 17.0 प्रतिशत के रिजर्व बैंक के अनुमानित लक्ष्य के ऊपर बनी रही। ऐसा जमाओं विशेष रूप मीयादी जमाओं में सुदृढ़ वृद्धि के कारण था। निजी क्षेत्र से ऋण की पर्याप्त मांग के अभाव

में, वाणिज्यिक बैंकों ने सरकार को उधार देने की गति को बढ़ाया। सरकार के प्रति वाणिज्यिक बैंकों के ऋण में निवल वृद्धि ने 2009-10 के सरकार के बढ़े हुए बाजार उधार कार्यक्रम के समायोजन को दर्शाया, ऐसा अर्थव्यवस्था की वृद्धि की गति को तेज करने के लिए आवश्यक था। वाणिज्यिक क्षेत्र के प्रति खाद्येतर ऋण के विस्तार में तीव्र गिरावट दिखी और यह वर्ष 2009 के 20.0 प्रतिशत वृद्धि के रिजर्व बैंक के अनुमानित लक्ष्य से नीचे बना हुआ है। 2009-10 के दौरान आरक्षित मुद्रा वृद्धि कम बनी रही और यह ऋणात्मक हो गई जो मुख्य रूप से प्रणाली से चलनिधि आधिक्य का अवशोषण करने के लिए रिजर्व बैंक द्वारा व्यापक रिवर्स रिपो परिचालन और रिजर्व बैंक के पास निवल मुद्रा आस्तियों (मूल्यन के लिए समायोजित) में कमी को दर्शाता है।

IV.2 सितंबर 2008 से मौद्रिक नीति रेसपांस का उद्देश्य भारतीय अर्थव्यवस्था पर वैश्विक आर्थिक संकट के प्रतिकूल प्रभाव को कम करना है। मौद्रिक नीति के संचालन को संक्रमण की गति और उसके आकार तथा घरेलू अर्थव्यवस्था पर उसके संभावित स्पिलओवर प्रभाव के साथ-साथ चलना पड़ा। तदनुसार, 11 अक्टूबर 2008 से रिजर्व बैंक को सीआरआर को कुल मिलाकर 400 आधार अंक तक घटाकर 5.0 प्रतिशत, रिपो दर को 425 आधार अंक तक घटाकर 4.75 प्रतिशत तथा रिवर्स रिपो दर को 275 आधार अंक तक घटाकर 3.25 प्रतिशत करना पड़ा। रिजर्व बैंक ने, चलनिधि की कमी, जो बाजार अस्थिरता और ऋण संकुचन की स्रोत थी, से बचने के लिए रुपए और विदेशी मुद्रा चलनिधि को बढ़ाने हेतु भी कई उपाए किये। हाल की अवधि में चलनिधि दशाएं आसान बनी हुई हैं, जो बाजार में सुव्यवस्थित दशाओं और एलएएफ के अंतर्गत किए जा रहे निरंतर निवल अवशोषणों से स्पष्ट है।

मौद्रिक सर्वेक्षण

IV.3 2009-10 के दौरान (3 जुलाई 2009 तक) व्यापक मुद्रा (एम₃) वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) सुदृढ़ बनी रही, यद्यपि एक वर्ष पहले की उच्च वृद्धि की तुलना में कुछ कमी आई। वर्ष-दर-वर्ष आधार पर, एक वर्ष पहले के 21.1 प्रतिशत की तुलना में एम₃ वृद्धि 3 जुलाई 2009 को 20.0 प्रतिशत थी (सारणी 27 और चार्ट 12)। एम₃ में सुदृढ़ वृद्धि ने इस अवधि के दौरान समग्र जमा राशियों में निरंतर विस्तार को दर्शाया। समग्र जमा राशियों के अंतर्गत, एक वर्ष पहले की तुलना में 2009-10 के दौरान मीयादी जमाओं में उच्च वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) हुई, जो आंशिक रूप से मांग जमाओं और अन्य बचत लिखतों के मीयादी जमाओं में हुए कुछ अंतरण को दर्शाती है। बढ़ती हुई अनिश्चितता को देखते हुए जोखिम बोध में वृद्धि के चलते, अन्य वित्तीय लिखतों पर प्रत्याशित प्रतिफल के संबंध में बैंकों द्वारा मीयादी जमाओं पर प्रस्तुत जोखिम मुक्त उच्च ब्याज दरों ने निवेशकों को अपनी वित्तीय बचतों को मीयादी जमाओं में अंतरित करने के लिए प्रेरित किया। निम्नतर नीति दरों के प्रति विलंबित रेसपांस के रूप में, ब्याज दरों में अल्पावधि गिरावट की प्रत्याशाओं ने भी मीयादी जमाओं के पक्ष में जमाओं में संघटनात्मक अंतरण में योगदान किया। तदनुसार, मांग जमाओं ने पिछले वर्ष की तुलना में निम्नतर वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की। एक वर्ष पहले के 17.3 प्रतिशत की तुलना में 3 जुलाई 2009 को मांग जमा राशियों में 8.4 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) का विस्तार हुआ। दिसंबर 2007 में लघु बचत योजनाओं में शुरू हुआ निवल अंतर्वाह मार्च 2009 तक जारी रहा (अद्यतन अवधि जिसके लिए आंकड़े उपलब्ध हैं) (चार्ट 13)। एक वर्ष पहले के 20.6 प्रतिशत की तुलना में 3 जुलाई 2009 को जनता के पास मुद्रा में 13.7

मौद्रिक नीति वक्तव्य 2009-10

समष्टि आर्थिक और मौद्रिक
गतिविधियां पहली तिमाही
समीक्षा 2009-10

सारणी 27 : मौद्रिक संकेतक

(राशि करोड़ रूपए में)

मद	3 जुलाई 2009 का बकाया	घट-बढ़ (वर्ष-दर-वर्ष)			
		4 जुलाई 2008		3 जुलाई 2009	
		पूर्ण	प्रतिशत	पूर्ण	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
I. आरक्षित मुद्रा* (आरक्षित मुद्रा सीआरआर परिवर्तनों के लिए समायोजित)	9,46,438	1,99,944	26.6 (18.4)	-5,476	-0.6 (16.1)
II. संकीर्ण मुद्रा (एम ₁)	12,57,945	1,74,393	18.2	1,27,400	11.3
III. व्यापक मुद्रा (एस ₃)	49,86,446	7,22,762	21.1	8,30,276	20.0
क) जनता के पास मुद्रा	6,83,814	1,02,838	20.6	82,523	13.7
ख) कुल जमा राशि	42,96,686	6,25,845	21.4	7,46,919	21.0
i) मांग जमा राशियां	5,68,185	77,476	17.3	44,042	8.4
ii) मीयादी जमा राशियां	37,28,501	5,48,369	22.1	7,02,877	23.2
VI. व्यापक मुद्रा के प्रमुख स्रोत					
क) सरकार को निवल बैंक ऋण (i + ii)	14,06,681	40,069	4.4	4,56,294	48.0
i) सरकार को रिजर्व बैंक का निवल बैंक ऋण	24,502	-1,37,189	-	1,33,524	-
जिसमें से : केन्द्र को	24,261	-1,36,827	-	1,33,242	-
ii) सरकार को अन्य बैंकों का ऋण	13,82,179	1,77,258	20.1	3,22,770	30.5
ख) वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	30,40,742	5,03,922	23.8	4,20,117	16.0
ग) बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	13,36,383	4,52,621	50.3	-15,590	-1.2
घ) जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयता	10,212	1,022	12.1	763	8.1
ड) बैंकिंग क्षेत्र की निवल मुद्रितर देयताएं	8,07,571	2,74,871	54.8	31,307	4.0

*: आंकड़े 17 जुलाई 2009 से संबंधित हैं।

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं। जहाँ पर आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, वहाँ अंतिम माह के उपलब्ध आंकड़ों को अनुमान के रूप में दोहराया गया है।

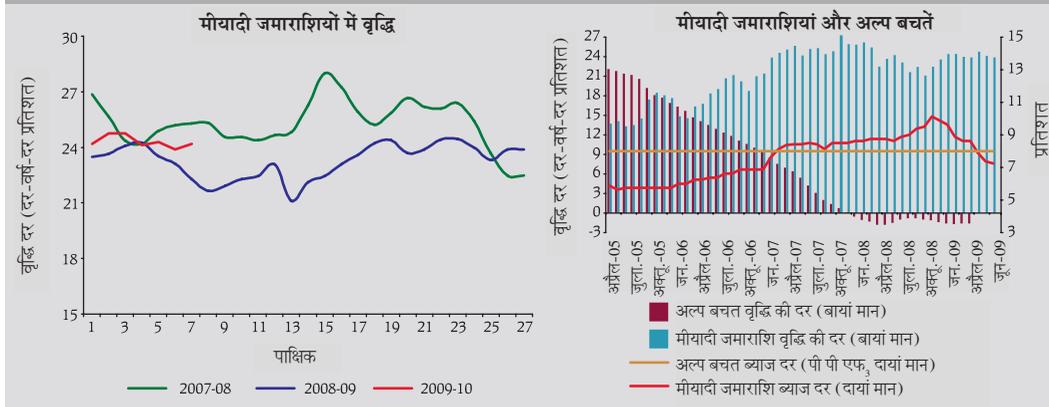
प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई, जो मुख्य रूप से आर्थिक गतिविधियों को दर्शाती है।

IV.4 वित्तीय वर्ष के आधार पर, 2009-10 के दौरान (3 जुलाई 2009 तक) एम₃ में वृद्धि पिछले वर्ष की

चार्ट 12 : मुद्रा आपूर्ति



चार्ट 13: मीयादी जमाराशियां और अल्प बचते



तदनुरूप अवधि के 3.4 प्रतिशत की तुलना में 4.7 प्रतिशत थी (सारणी 28)। जनता के पास मुद्रा वृद्धि पिछले वर्ष की तदनुरूप अवधि के 5.8 प्रतिशत की तुलना में 2.6 प्रतिशत (3 जुलाई 2009 तक) थी।

IV.5 स्रोत पक्ष में, व्यापक मुद्रा (एम₃) वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) 2009-10 के दौरान (3 जुलाई 2009 तक) मुख्य रूप से सरकार को दिये गये बैंक ऋण से संचालित थी। वाणिज्यिक क्षेत्र के प्रति वाणिज्यिक बैंकों के ऋणों की वृद्धि में काफी अधिक गिरावट आई (चार्ट 14)। बैंकों के पास निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां भी घटी।

IV.6 2009-10 के दौरान (3 जुलाई 2009 तक) व्यापक मुद्रा (एम₃) में वित्तीय वर्ष का अधिकांश विस्तार, वाणिज्यिक बैंकों द्वारा सरकार को दिये गये बैंक ऋणों में वृद्धि का परिणाम थे जिसमें एलएएफ के अंतर्गत रिजर्व बैंक से प्रतिभूतियों के अस्थायी अधिग्रहण भी शामिल हैं।

IV.7 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की खाद्येतर ऋण वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष), जो अक्टूबर 2008 में सर्वाधिक ऊंचाई पर पहुंच गयी थी, में इसके पश्चात गिरावट दिखी। यह

रुझान भी 2009-10 की पहली तिमाही में भी जारी रहा। जबकि मौसमी कारकों के कारण ऋण के विस्तार में गिरावट को दर्शाना पहली तिमाही के लिए असामान्य नहीं था, 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान गिरावट विशेषरूप से दृष्टिगम्य थी। ऐसा अप्रैल-मई 2009 के दौरान पेट्रोलियम और उर्वरक कंपनियों के लिए ऋण में 18,796 करोड़ रु पए की गिरावट के कारण था, जबकि पिछले वर्ष की तदनुरूप अवधि में 6,530 करोड़ रु पए की वृद्धि हुई थी। जून 2009 से ऋण वृद्धि में सुधार के कुछ पूर्व संकेत देखे जा सकते हैं। 3 जुलाई 2009 को वर्ष-दर-वर्ष के आधार पर अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा खाद्येतर ऋण में 16.4 प्रतिशत का विस्तार हुआ जबकि एक वर्ष पहले यह 25.8 प्रतिशत था। 2009-10 के दौरान जमाओं के विस्तार की तुलना में ऋण में निम्नतर विस्तार का परिणाम वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात में गिरावट के रूप में दिखा (चार्ट 15)।

IV.8 निवल मांग और मीयादी देयताओं (एनडीटीएल) के प्रतिशत के रूप में एसएलआर प्रतिभूतियों में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के निवेश 2009-10 के दौरान अब तक बढ़े। एक वर्ष पहले के 19.5 प्रतिशत की तुलना में 3

मौद्रिक नीति वक्तव्य 2009-10

समष्टि आर्थिक और मौद्रिक
गतिविधियां पहली तिमाही
समीक्षा 2009-10

सारणी 28 : मौद्रिक समुच्चय - घटबढ़

(करोड़ रुपए)

वर्ग	2008-09 (04 जुलाई तक)	2009-10 (03 जुलाई तक)	2008-09				2009-10
			ति.1	ति.2	ति.3	ति.4	ति.1
1	2	3	4	5	6	7	8
एम३ (1+2+3 = 4+5+6+7-8)	1,38,287 (3.4)	2,22,427 (4.7)	89,283	1,76,379	1,60,488	3,19,986	1,72,702
घटक							
1 जनता के पास मुद्रा	32,881 (5.8)	17,451 (2.6)	35,772	-18,037	40,405	39,813	24,449
2 बैंकों में कुल जमा राशि	1,09,349 (3.2)	2,04,603 (5.0)	57,621	1,93,902	1,13,039	2,87,103	1,42,626
2.1 बैंक के पास मांग जमा राशियां	-54,230 (-9.4)	-13,063 (-2.2)	-79,325	52,771	-62,157	91,586	-33,948
2.2 बैंकों में मीयादी जमा राशि	1,63,579 (5.7)	2,17,666 (6.2)	1,36,946	1,41,131	1,75,195	1,95,517	1,76,574
3 बैंकों में 'अन्य' जमा राशि	-3,943 (-43.5)	373 (6.7)	-4,110	514	7,045	-6,931	5,626
स्त्रोत							
4 सरकार को बैंक का निवल ऋण	50,869 (5.7)	1,29,482 (10.1)	36,124	31,654	1,29,335	1,80,568	1,12,756
4.1 सरकार को भारिबैंक का निवल ऋण	4,187	-37,078	-13	51,360	30,230	93,212	-11,145
4.1.1 केंद्र को भारिबैंक का निवल ऋण	5,655	-37,500	1,430	51,379	29,932	93,657	-11,497
4.2 सरकार को अन्य बैंकों का ऋण	46,682	1,66,560	36,137	-19,706	99,106	87,356	1,23,902
5 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	41,636 (1.6)	27,405 (0.9)	30,811	1,63,138	90,616	1,49,783	1,640
6 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	56,841	-15,801	66,858	7,271	-1,32,461	1,15,385	-16,750
6.1 भारिबैंक की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	93,915	-15,801	1,03,932	10,336	-1,56,330	86,048	-16,750
7 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	225	157	225	206	186	213	157
8 बैंकिंग क्षेत्र की निवल मुद्रा देयताएं	11,284	-81,183	44,735	25,890	-72,812	1,25,962	-74,899

एससीबी : अनुसूचित वाणिज्य बैंक

एनएफईए : निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां

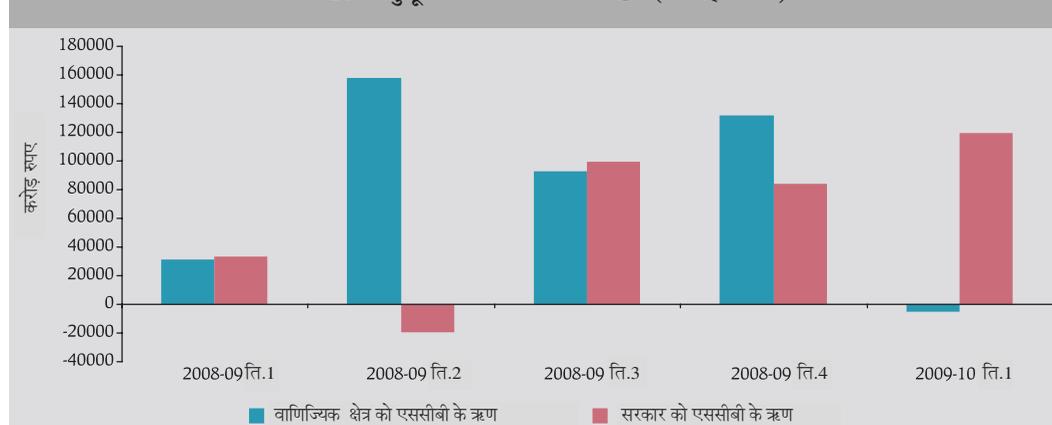
टिप्पणी: 1. आंकड़े अर्न्तम हैं।

2. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े प्रतिशत अंतर हैं।

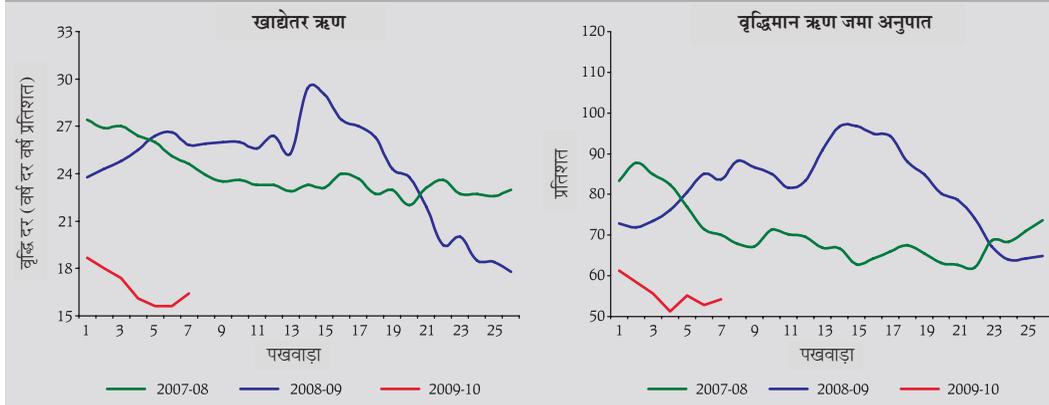
जुलाई 2009 को एसएलआर प्रतिभूतियों में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के निवेशों में 31.5 प्रतिशत (वर्ष-दर-

वर्ष) वृद्धि हुई (सारणी 29)। 3 जुलाई 2009 को ऐसी प्रतिभूतियों में वाणिज्य बैंकों की धारिताएं एक वर्ष पहले

चार्ट 14: अनुसूचित वाणिज्य बैंक के ऋण (तिमाही अंतर)



चार्ट 15: अनुसूचित वाणिज्य बैंक के ऋण



के 27.7 प्रतिशत की तुलना में उनके एनडीटीएल की 30.5 प्रतिशत थीं। फिर भी, बकाया आधार पर एलएएफ संपाश्विकीकृत प्रतिभूतियों के लिए समायोजित,

एसएलआर प्रतिभूतियों की अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की धारिताएं 3 जुलाई 2009 को उनके एनडीटीएल की 26.9 प्रतिशत थी।

सारणी 29 : अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का सर्वेक्षण

मद	3 जुलाई 2009 को बकाया	घट-बढ़ (वर्ष-दर वर्ष)			
		4 जुलाई 2008 को		3 जुलाई 2009 को	
		राशि	प्रतिशत	राशि	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
निधि के स्रोत					
1. कुल जमा	40,28,707	5,85,449	21.5	7,24,678	21.9
2. वित्तीय संस्थाओं से मांग / मीयादी निधीयन	89,594	20,460	24.8	-13,392	-13.0
3. समुद्रपारीय विदेशी मुद्रा उधार	31,610	21,215	84.1	-14,838	-31.9
4. पूंजी	48,438	9,107	25.4	3,449	7.7
5. आरक्षित निधि	3,25,389	64,109	30.1	48,092	17.3
निधि का उपयोग					
1. बैंक ऋण	27,98,747	4,89,222	25.5	3,93,148	16.3
उन्में से : खाद्येतर ऋण	27,41,073	4,82,729	25.8	3,86,195	16.4
2. सरकारी और अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	13,34,720	1,65,823	19.5	3,19,728	31.5
क) सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	13,17,926	1,68,691	20.2	3,15,083	31.4
ख) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	16,794	-2,868	-19.1	4,645	38.2
3. गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में निवेश	2,45,195	3,161	1.8	67,934	38.3
4. विदेशी मुद्रा आस्तियां	62,109	-28,862	-45.8	27,970	81.9
5. आरबीआइ के पास शेष	1,96,855	69,889	35.0	-72,626	-27.0
टिप्पणी : आंकड़े अर्नातिम हैं।					

सारणी 30 : अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का ऋण प्रवाह

(राशि करोड़ रुपये में)

मद	3 जुलाई 2009 को बकाया	घट-बढ़ (वर्ष-दर-वर्ष)			
		4 जुलाई 2008 को		3 जुलाई 2009 को	
		राशि	प्रतिशत	राशि	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
1. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक	20,63,202	3,51,818	26.3	3,71,160	21.9
2. विदेशी बैंक	1,58,971	42,697	33.3	-12,090	-7.1
3. निजी बैंक	5,08,707	89,069	22.3	20,409	4.2
4. सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक *	27,98,747	4,89,222	25.5	3,93,148	16.3

*: क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक शामिल हैं।

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।

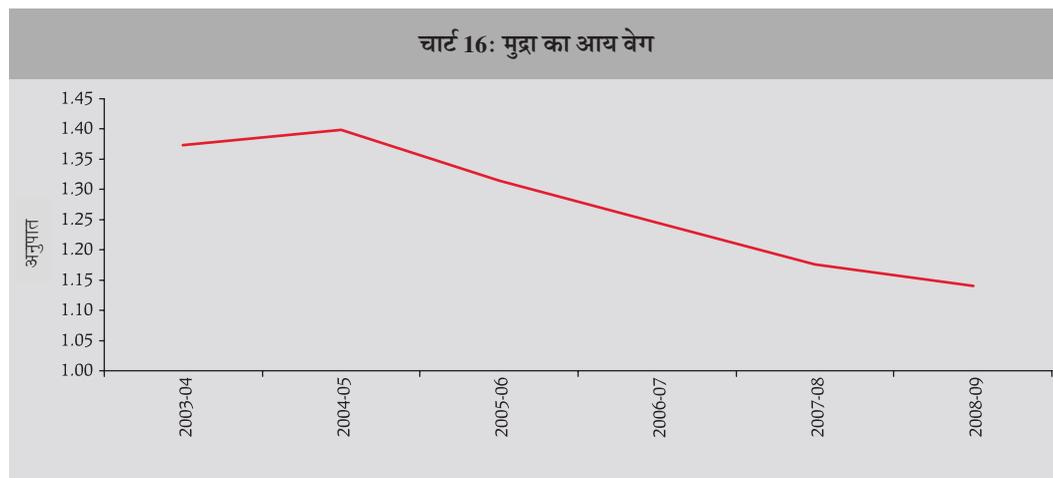
IV.9 एक वर्ष पहले की तुलना में 2009-10 के दौरान (3 जुलाई 2009 तक) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों से ऋण प्रवाह में काफी अधिक कमी (वर्ष-दर-वर्ष) आई। वाणिज्यिक बैंकों के अंतर्गत निजी बैंकों के लिए ऋण के विस्तार में तीव्र गिरावट आई जबकि विदेशी बैंकों ने ऋणात्मक वृद्धि दर्ज की (सारणी 30)।

IV.10 2003-04 से 2008-09 तक, भारतीय अर्थव्यवस्था में 8.5 प्रतिशत की औसत वास्तविक जीडीपी वृद्धि, 5.8 प्रतिशत की औसत डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति वृद्धि और 17.9 प्रतिशत की औसत मुद्रा आपूर्ति वृद्धि हुई। 2008-09 के दौरान वृद्धि और

मुद्रास्फीति दशाएं काफी अधिक बदल गईं और कम वृद्धि तथा लगभग शून्य (वर्ष-दर-वर्ष) मुद्रास्फीति को देखते हुए, मार्च 2009 के अंत में 18.6 प्रतिशत की व्यापक मुद्रा वृद्धि को मुद्रा के चलन आवेग में काफी अधिक कमी और मुद्रा मांग की आय लोच में वृद्धि के संदर्भ में देखा जाना होगा (चार्ट 16)।

IV.11 22 मई 2009 तक के उपलब्ध सकल बैंक ऋण के क्षेत्रवार नियोजन के अलग-अलग आंकड़ों ने दर्शाया कि एक वर्ष पहले के 43.2 प्रतिशत की तुलना में उद्योगों द्वारा वृद्धिशील खाद्येतर ऋण (वर्ष-दर-वर्ष) का 47.7 प्रतिशत खपाया गया। इस अवधि के दौरान

चार्ट 16: मुद्रा का आय वेग



उद्योगों के लिए वृद्धिशील खाद्येतर ऋण के विस्तार में आधारभूत संरचना, लोहा और स्टील, अभियांत्रिकी और निर्माण उद्योग आगे थे। कृषि क्षेत्र ने एक वर्ष पहले के 10.1 प्रतिशत की तुलना में वृद्धिशील खाद्येतर ऋण का 16.9 प्रतिशत खपत किया।

वैयक्तिक ऋण, जो वृद्धिशील खाद्येतर ऋण के 7.6 प्रतिशत थे, में कुछ कमी आई; वैयक्तिक ऋण के अंतर्गत आवास ऋण में काफी अधिक गिरावट आई। वाणिज्यिक वास्तविक स्थावर संपदा के प्रति ऋणों की वृद्धि अधिक बनी रही (सारणी 31)।

सारणी 31 : खाद्येतर बैंक ऋण का सेक्टरल नियोजन

(राशि करोड़ रुपए)					
क्षेत्र / उद्योग	22 मई 2009 को बकाया	वर्ष-दर वर्ष घट-बढ़			
		23 मई 2008		22 मई 2009	
		समग्र	%	समग्र	%
1	2	3	4	5	6
खाद्येतर सकल बैंक ऋण (1 से 4)	25,58,250	4,23,189	24.2	3,83,483	17.6
1. कृषि और संबंधित कार्य	3,29,757	42,745	19.3	64,970	24.5
2. उद्योग	10,40,363	1,82,857	27.1	1,81,848	21.2
3. वैयक्तिक ऋण	5,57,482	72,777	16.0	29,266	5.5
आवास	2,75,514	31,735	13.8	13,028	5.0
मीयादी जमाराशि पर अग्रिम	45,801	3,128	8.0	3,581	8.5
क्रेडिट कार्ड बकाया	26,977	7,116	36.5	381	1.4
शिक्षा	28,690	5,914	38.3	7,338	34.4
उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	7,997	-534	-6.0	-300	-3.6
4. सेवाएं	6,30,648	1,24,810	31.3	1,07,399	20.5
परिवहन परिचालक	39,032	9,917	39.1	3,784	10.7
पेशेवर सेवाएं	44,665	7,108	28.6	12,723	39.8
व्यापार	1,42,042	16,902	16.0	19,604	16.0
वास्तविक स्थावर संपदा ऋण	94,499	17,018	37.7	32,321	52.0
गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	94,668	27,549	62.0	22,694	31.5
<i>जापन</i>					
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	9,07,956	1,27,334	20.3	1,54,459	20.5
लघु उद्यम उद्योग	2,69,466	84,127	72.1	68,590	34.1
उद्योग	10,40,363	1,82,857	27.1	1,81,848	21.2
खाद्य प्रसंस्करण	53,392	13,126	35.1	2,899	5.7
वस्त्रोद्योग	1,01,734	16,503	21.3	7,818	8.3
कागज एवं कागज के उत्पाद	15,811	2,435	21.4	1,985	14.4
पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद एवं आणविक ईंधन	50,841	18,250	62.8	3,552	7.5
रसायन एवं रासायनिक उत्पाद	70,758	13,304	25.5	5,361	8.2
रबर, प्लास्टिक एवं प्लास्टिक के उत्पाद	13,405	2,261	25.5	2,289	20.6
लोहा तथा इस्पात	1,02,439	15,460	24.4	23,605	29.9
अन्य धातु तथा धातु के उत्पाद	30,504	4,873	24.1	5,392	21.5
इंजीनियरिंग	65,266	9,959	23.4	12,715	24.2
वाहन, वाहन के पुर्जे तथा परिवहन उपस्कर	32,995	6,324	26.7	2,980	9.9
रत्न तथा आभूषण	27,861	1,403	6.0	3,035	12.2
निर्माण	37,752	5,959	29.6	11,670	44.7
इंफ्रास्ट्रक्चर	2,74,758	59,811	41.7	71,427	35.1

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं और चुनिंदा अनुसूचित वाणिज्य बैंकों से संबंधित हैं। आंकड़ों में भारत ओवरसीज बैंक के इंडियन ओवरसीज बैंक में, अमरीकन एक्सप्रेस बैंक के स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक में और बैंक ऑफ सौराष्ट्र के भारतीय स्टेट बैंक में विलय के प्रभाव को भी शामिल किया गया है।

IV.12 बैंकों के अलावा, वाणिज्यिक क्षेत्र ने पूंजी बाजार, वाणिज्यिक पत्र (सीपी) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों, वित्तीय संस्थाओं, बाह्य वाणिज्यिक उधारों, अमरीकी निक्षेपागार रसीदों (एडीआर)/ वैश्विक निक्षेपागार रसीदों (जीडीआर) और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश जैसे कई स्रोतों से संसाधन जुटाये। 2008-09 के दौरान घरेलू गैर-बैंक स्रोतों से संसाधनों का प्रवाह बढ़ा जबकि बाह्य स्रोतों से संसाधनों का प्रवाह पिछले वर्ष की तुलना में तेजी से घटा। घरेलू गैर-बैंक स्रोत के बीच, प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण एनबीएफसी के माध्यम से जुटाये गये संसाधन, गैर वित्तीय कंपनियों के सकल निजी स्थानन, रिजर्व बैंक द्वारा नियंत्रित चार एआइएफआइ के कुल

सकल समायोजन और एलआइसी के सकल निवेश बढ़े, जबकि अन्य स्रोतों से जुटाए गये संसाधन घटे। बाह्य स्रोतों के अंतर्गत, बाह्य वाणिज्यिक उधारों, एडीआर/ जीडीआर निर्गमों और अल्पकालिक ऋण के माध्यम से जुटाये गए संसाधन काफी अधिक कम हुए, जबकि एफडीआइ मार्ग के माध्यम से निवेशों में वृद्धि हुई। इस प्रकार, 2007-08 की तुलना में 2008-09 के दौरान खाद्येतर ऋण के प्रवाह में गिरावट के अलावा, गैर-बैंक स्रोतों से भी संसाधनों के प्रवाह में काफी अधिक गिरावट आई, जिसका परिणाम वाणिज्यिक क्षेत्र के प्रति वित्तीय संसाधनों के निम्नतर वार्षिक प्रवाह के रूप में दिखा (सारणी 32)। 2009-10 के दौरान अब तक, अद्यतन

सारणी 32 : वाणिज्यिक क्षेत्र के प्रति वित्तीय संसाधनों का प्रवाह

(करोड़ रुपए)

	अप्रैल-मार्च		अप्रैल-जून	
	2007-08	2008-09	2008-09	2009-10
1	2	3	4	5
क. समायोजित खाद्येतर बैंक ऋण (एनएफसी)	4,44,807	4,21,091	30,631	5,697
i) खाद्येतर ऋण	4,32,846	4,11,824	37,364	11,735
जिसमें से, पेट्रोलियम और उर्वरक ऋण	5,057	31,632	6,530*	-18,796*
ii) एससीबी द्वारा गैर एसएलआर निवेश	11,961	9,267	-6,733	-6,038
ख. गैर बैंकों से प्रवाह (ख1 + ख2)	5,87,659	4,66,895	1,28,490	84,969
ख1. घरेलू स्रोत	2,55,230	2,96,679	77,138	63,984
1 गैर वित्तीय संस्थाओं के सार्वजनिक निर्गम	51,478	14,205	2,031	236
2 गैर वित्तीय संस्थाओं द्वारा सकल निजी स्थानन	68,249	76,184	16,955	29,135
3 गैर बैंकों के अंशदान वाले वाणिज्यिक पत्रों का निवल निर्गम	10,660	5,590	25,104	35,460
4 आवास वित्त कंपनियों द्वारा निवल ऋण	41,841	26,634	10,702	-3,792
5 आरबीआइ नियंत्रित 4 एआइएफआइ - नाबार्ड, एनएचबी, सिडबी और एक्विजि बैंक द्वारा कुल सकल समायोजन	22,267	31,423	-644	-5,513
6 प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण जमा न लेनेवाली एनएफसी (बैंक ऋण का निवल)	36,460	76,828	21,866*	1,932*
7 निगम ऋण, इंफ्रास्ट्रक्चर और सामाजिक क्षेत्र में एलआइसी का सकल निवेश	24,275	65,815	1,124*	6,526*
ख2. विदेशी स्रोत#	3,32,429	1,70,216	51,352	20,985
1 बाह्य वाणिज्यिक उधार / एफसीसीबी	91,180	38,009	6,111	-1,504
2 बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को छोड़कर एडीआर / जीडीआर निर्गम	34,937	4,788	4,056	215
3 विदेश से अल्पकालिक ऋण	68,878	-31,160	9,636*	416*
4 भारत को विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	1,37,434	1,58,579	31,549*	21,858*
ग. संसाधनों का कुल प्रवाह (क+ख)	10,32,466	8,87,986	1,59,121	90,666

* : मई तक

उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि वाणिज्यिक क्षेत्र के प्रति वित्तीय संसाधनों का प्रवाह पिछले वर्ष की तदनु रूप अवधि की तुलना में कम था।

आरक्षित मुद्रा सर्वेक्षण

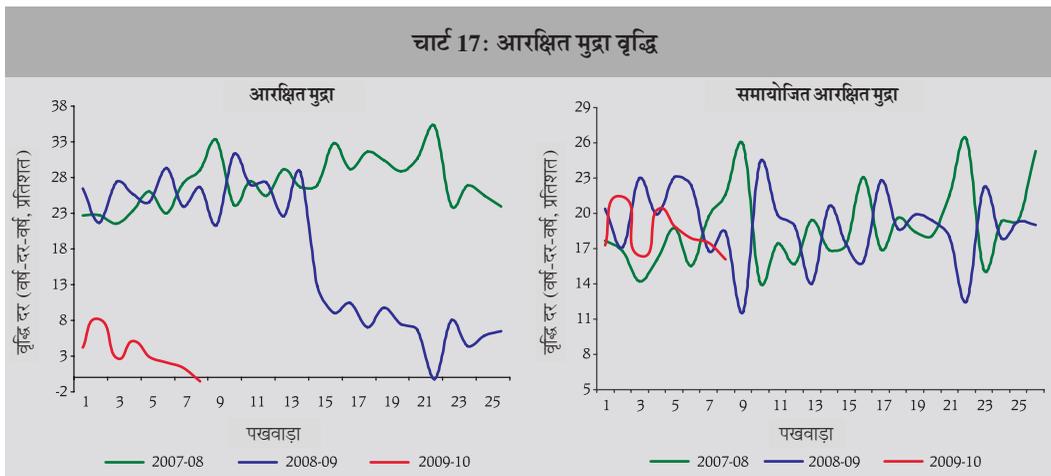
IV.13 आरक्षित मुद्रा में 17 जुलाई 2009 को वर्ष-दर-वर्ष 0.6 प्रतिशत की गिरावट हुई जबकि एक वर्ष पहले इसमें 26.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। 2008-09 के दौरान सीआरआर में तीव्र परिवर्तनों के संदर्भ में, विश्लेषणात्मक प्रयोजन के लिए यह अधिक उचित होगा कि सीआरआर के लिए समायोजित आरक्षित मुद्रा के उतार-चढ़ाव की तुलना की जाए। आरक्षित मुद्रा में गिरावट को मौद्रिक संकुचन के एक संकेत के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए, क्योंकि यह सीआरआर में कटौती के रूप में जान बूझकर की गई विस्तारकारी मौद्रिक नीति कार्रवाई के प्रभाव को परिलक्षित करती है। जबकि सीआरआर में गिरावट पहले दौर में आरक्षित मुद्रा में तदनु रूप गिरावट ला सकती है, कम सीआरआर के परिणामस्वरूप उच्चतर मुद्रा गुणक व्यापक मुद्रा में उच्च वृद्धि ला सकते हैं यद्यपि एक अंतराल के बाद। इस तरह समायोजित आरक्षित मुद्रा भविष्य में रुझान को और तुलनीय बनाती है क्योंकि उसे आरक्षित

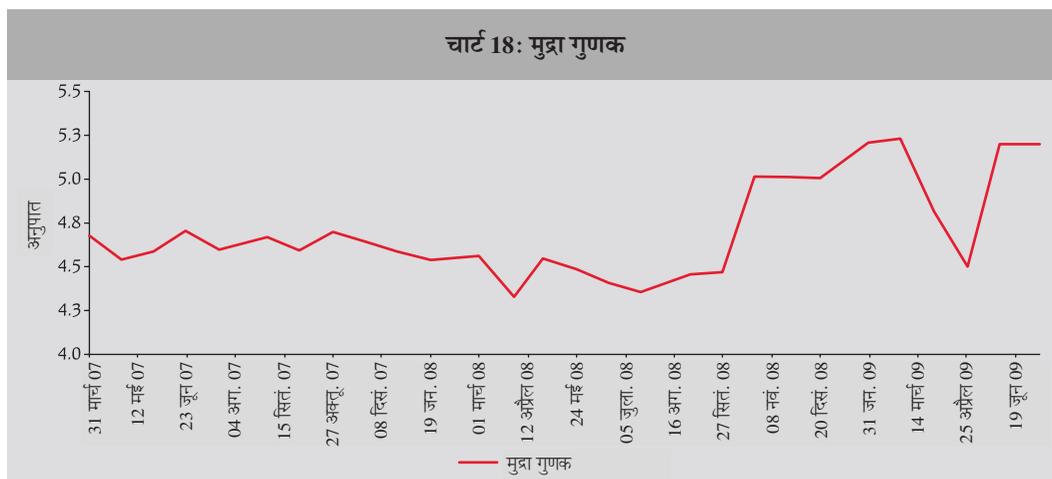
मुद्रा में किये गये नीति प्रेरित परिवर्तनों के लिए समायोजित किया जाता है। सीआरआर में परिवर्तन के पहले दौर के प्रभाव को समायोजित करने के पश्चात, आरक्षित मुद्रा 17 जुलाई 2009 को 16.1 प्रतिशत थी जबकि एक वर्ष पहले 18.4 प्रतिशत थी (चार्ट 17)।

IV.14 मुद्रा गुणक, जो सीआरआर वृद्धियों के कारण मार्च 2007 के अंत के 4.7 से मार्च 2008 के अंत में 4.3 हो गया था, 31 मार्च 2009 को बढ़कर 5.2 हो गया, जो सीआरआर में 400 आधार अंकों की परवर्ती कमी को दर्शाता है। फिर भी, मुद्रा गुणक अप्रैल 2009 के अंत में घटकर 4.5 हो गया जो बैंकों के पास अत्यधिक नकदी धारिताओं को दर्शाता है। मुद्रा गुणक जून 2009 तक वापस अपने रुझान पर पहुंच गया।

IV.15 2009-10 के दौरान (17 जुलाई 2009 तक) वित्तीय वर्ष आधार पर आरक्षित मुद्रा 4.2 प्रतिशत घटी जबकि पिछले वर्ष की तदनु रूप अवधि में इसमें 2.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी (सारणी 33)। स्रोत पक्ष में, केंद्र के प्रति निवल रिजर्व बैंक ऋण घटे जबकि निवल मुद्रा आस्तियों (मूल्यांकन के लिए समायोजित) में मामूली वृद्धि हुई। केंद्र को रिजर्व बैंक के निवल ऋण में 19,780 करोड़

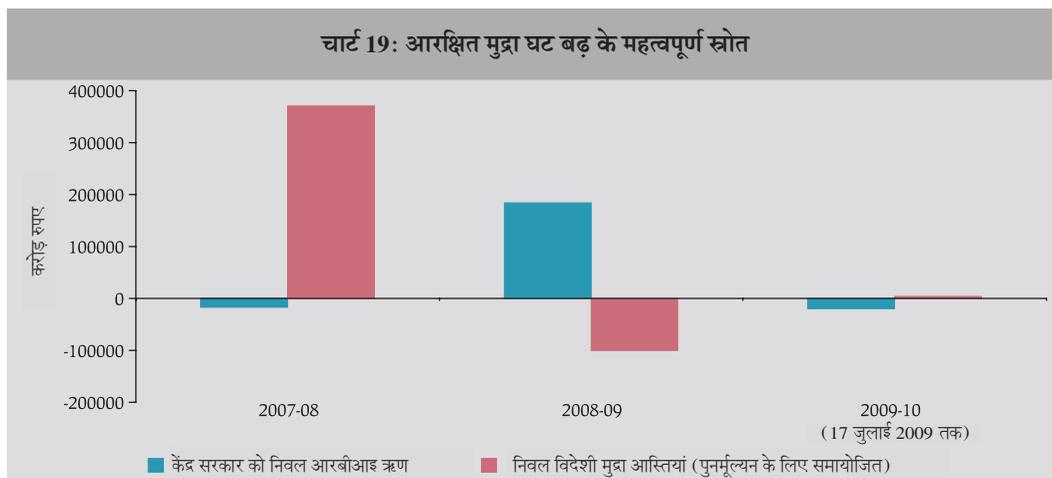
चार्ट 17: आरक्षित मुद्रा वृद्धि





(17 जुलाई 2009 तक) की कमी आई जबकि पिछले वर्ष की तदनु रूप अवधि में इसमें 55,581 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई थी। रिजर्व बैंक की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (मूल्यन के लिए समायोजित) 3,977 करोड़ रुपए बढ़ीं जबकि पिछले वर्ष की तदनु रूप अवधि में इसमें 18,139 करोड़ रुपए की कमी आई थी (चार्ट 19)। सीआरआर (17 जुलाई 2009 तक) में परिवर्तन के पहले दौर के प्रभाव को समायोजित करने के पश्चात, आरक्षित मुद्रा 4.1 प्रतिशत घटी जबकि पिछले वर्ष की तदनु रूप अवधि में इसमें 1.7 प्रतिशत की कमी आई थी।

IV.16 2009-10 के दौरान (17 जुलाई 2009 तक) केन्द्र सरकार के प्रति रिजर्व बैंक के निवल ऋण में उतार-चढ़ाव ने व्यापक रूप से केन्द्रीय बैंक के चलनिधि प्रबंधन परिचालनों और रिजर्व बैंक के पास केन्द्र सरकार की जमाओं में बदलाव को दर्शाया। नवंबर 2008 के मध्य से चलनिधि दशाओं में सुधार हुआ और औसतन रिजर्व बैंक ने एलएएफ के अंतर्गत रिवर्स रिपो के माध्यम से चलनिधि की बड़ी मात्रा को अवशोषित करना शुरू कर दिया। तदनुसार, एलएएफ के अंतर्गत अवशोषण में वृद्धि (1,39,175 करोड़ रुपए) के कारण रिजर्व बैंक



सारणी 33 : आरक्षित मुद्रा : घट-बढ़

(राशि करोड़ रुपए)

मद	2008-09 (अप्रैल- मार्च)	2008-09 (18 जुलाई तक)	2009-10 (17 जुलाई तक)	2008-09				2009-10
				ति.1	ति.2	ति.3	ति.4	ति.1
1	2	3	4	5	6	7	8	9
आरक्षित मुद्रा	59,698	23,612 (2.5)	-41,563 (-4.2)	3,416	25,218	-70,452	1,01,516	-37,443
<i>(समायोजित आरक्षित मुद्रा)</i>		<i>(-1.7)</i>	<i>(-4.1)</i>					
घटक (1+2+3)								
1. संचलन में मुद्रा	1,00,352	35,043 (5.9)	23,428 (3.4)	36,859	-14,516	38,277	39,733	29,595
2. भारिबैं के पास बैंक जमा	-37,172	-7,481 (-2.3)	-65,057 (-22.3)	-29,333	39,219	-1,15,773	68,714	-72,664
3. भारिबैं के पास 'अन्य' जमा	-3,482	-3,950 (-43.6)	66 (1.2)	-4,110	514	7,045	-6,931	5,626
स्रोत (1+2+3+4-5)								
1. भारिबैं द्वारा सरकार को दिए गए निवल ऋण <i>जिसका : केंद्र का (i+ii+iii+iv-v)</i>	1,74,789 1,76,397	54,113 55,581	-19,640 -19,780	-13 1,430	51,360 51,379	30,230 29,932	93,212 93,657	-11,145 -11,497
2. आरबीआइ द्वारा बैंकों और वाणिज्यिक क्षेत्र को दिए गए ऋण	17,799	-873	-11,779	-3,358	4,963	5,032	11,163	-9,623
3. रिजर्व बैंक की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां <i>जिसमें: पुनर्मूल्यन के लिए समायोजित एफसीए</i>	43,986 -1,00,308	75,552 -18,139 (6.1)	10,262 3,977 (0.8)	1,03,932 15,535	10,336 -31,641	-1,56,330 -92,102	86,048 7,900	-16,750 -6,245
4. जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	831	289	157	225	206	186	213	157
5. आरबीआइ की निवल गैर मौद्रिक देयताएं	1,77,706	1,05,470	20,564	97,369	41,648	-50,431	89,120	81
ज्ञापन :								
निवल घरेलू आस्तियां	15,712	-51,940	-51,825	-1,00,516	14,882	85,878	15,468	-20,692
एलएएफ - रेपो (+) / रिवर्स रेपो (-)	-51,835	-16,025	-1,39,175	-45,350	51,480	-62,170	4,205	-1,32,800
निवल खुले बाजार की बिक्री # *	-94,548	-18,183	-43,658	-8,696	-10,535	-7,669	-67,649	-42,001
केंद्र का अधिशेष	-60,367	-56,919	-9,547	-42,427	6,199	-32,830	8,691	-13,156
एमएसएस के अंतर्गत संग्रहण	-80,315	3,047	-66,101	6,040	-628	-53,754	-31,973	-65,187
प्राधिकृत व्यापारियों से निवल क्रय(+)/बिक्री(-)	-1,78,592	-35,749	-18,966 ^	3,956	-52,761	-1,11,877	-17,910	-18,966 ^
एनएफईए / आरक्षित मुद्रा @	129.6	137.8	136.3	143.8	141.1	134.7	129.6	132.9
एनएफईए /मुद्रा @	185.2	209.6	180.6	213.5	220.2	183.3	185.2	175.3
एनएफईए : निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां		एफसीए : विदेशी मुद्रा आस्तियां		एलएएफ :	चलनिधि	समायोजन	सुविधा	
* : अंकित मूल्य पर		# : खजाना बिलों का छोड़कर		@ :	प्रतिशत ; अवधि समाप्त	^ : 29 मई 2009 तक		
टिप्पणी :	1. चौथी तिमाही के आंकड़े 31 मार्च के अनुसार हैं और अन्य सभी तिमाहियों के लिए अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार पर आधारित हैं।							
	2. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े राजकोषीय वर्ष के दौरान प्रतिशत घट-बढ़ हैं।							

की सरकारी प्रतिभूतियों की धारिताओं (17 जुलाई 2009 तक) में गिरावट आई। दूसरी तरफ, एमएसएस की प्रतिभूतियों (66,101 करोड़ रुपए) को अनवाइंडिंग

करने से रिजर्व बैंक के पास केन्द्र सरकार की जमाओं में कमी आई और इसलिए केन्द्र के प्रति रिजर्व बैंक के निवल ऋण में बढ़ोतरी हुई। केन्द्र सरकार के नकद शेषों

के अधिशेष में भी कमी (9,547 करोड़ रुपए) आई। इसके अलावा, ओएमओ/विशेष बाजार परिचालन (एसएमओ) के अंतर्गत निवल खुले बाजार की खरीद के कारण रिजर्व बैंक के पास केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियों / बांडों (43,658 करोड़ रुपए) की उच्च धारिताएं थीं। इन गतिविधियों के संयुक्त प्रभाव को देखते हुए, 2009-10 के दौरान (17 जुलाई 2009 तक) केन्द्र के प्रति रिजर्व बैंक के निवल ऋण में कमी आई जबकि एक वर्ष पहले की तदनुरूप अवधि में इसमें वृद्धि हुई थी।

IV.17 अंत में, 2009-10 के दौरान (3 जुलाई 2009 तक) व्यापक मुद्रा में उच्च वृद्धि जारी रही, जो स्रोत पक्ष में सरकार के बड़े-बड़े बाजार उधार कार्यक्रम और मौद्रिक सम्मुचयों के घटक पक्ष में जमाओं में उच्च वृद्धि को दर्शाती है। अक्टूबर 2008 से खाद्येतर ऋण वृद्धि में लगातार कमी ने सरकारी प्रतिभूतियों में अंशदान करने के लिए बैंकों के पास अतिरिक्त गुंजाइश बनाई; मई 2009 के अंत से ऋण वृद्धि में सुधार के कुछ प्रारंभिक चिह्न देखे जा सकते हैं।